Aadarshhimachal.com | aadarshhimachal@gmail.com

आदर्श हिमाचल

खबरें विकास की, मुद्दे जनता के

शिमला 20 फरवरी से 26 फरवरी, 2023

RNI No. HPHIN/2017/70267

◆ वर्ष 8 ◆ अंक 09

व्यवस्था परिवर्तन के सकारात्मक प्रभाव का साक्षी बना अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव

जिला के वृद्धाश्रमों और अनाथालयों में रहने वाले 53 आवासियों को सांस्कृतिक संध्याओं में भाग लेने का मिला अवसर

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

मंडी। सुख की सरकार के सकारात्मक प्रयासों से अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव मंडी में व्यवस्था परिवर्तन का प्रभाव नज़र आ रहा है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के गतिशील नेतृत्व में जिला प्रशासन मंडी ने इस बार शिवरात्रि महोत्सव में राज्य सरकार की तर्ज पर पुरानी व्यवस्था में नई जान भरने की नवीन पहल की है। प्रदेश सरकार ने मंडी शिवरात्रि मेले की प्राचीन प्रथा तथा संस्कृति को संरक्षित करने के लिए पड्डल मैदान की जगह ऐतिहासिक सेरी मंच में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार ने मंडी की जनता की भावनाओं को समझते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल को सेरी मंच के लिए स्थानांतरित किया है। देव समाज को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से उनके रहने की व्यवस्था संस्कृति सदन कंगनीधार में की गई है। वृद्धाश्रमों और अनाथालयों में रहने वाले आवासियों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए मंडी जिला के

वृद्धाश्रमों और अनाथालयों में रहने वाले 53 आवासियों को अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव मंडी की सांस्कृतिक संध्याओं में भाग लेने का अवसर भी प्रदान किया गया है।

इस निर्णय से इन आवासियों को अपनी कला को प्रदर्शित करने के लिए उपयुक्त मंच मिलेगा। जिला प्रशासन द्वारा अनाथ बच्चों को शिवरात्रि उत्सव में भाग लेने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य की जनता से व्यवस्था में सुधार का वायदा किया है। उन्होंने कई अवसरों पर यह कहा कि वह सत्ता सुख के लिए नहीं बल्कि प्रदेश के विकास के लिए व्यवस्था परिवर्तन की दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं।

प्रदेश सरकार का एजेंडा सिर्फ और सिर्फ विकास : मुकेश अग्निहोत्री

बोले, पूरे भारतवर्ष में हरोली विधानसभा क्षेत्र विकास का मॉडल

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

ऊना। उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने गत देर सांय गुरु रविदास मंदिर दुलैहड में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने मंदिर में माथा टेका तथा लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार का एजेंडा सिर्फ और सिर्फ विकास है ताकि गरीबों का उत्थान सुनिश्चित हो सके। आज हरोली विधानसभा चुनाव क्षेत्र में पूरे देश भर में विकास के मॉडल के रूप में उभरा है।

उन्होंने कहा कि यहां की जनता ने लगातार 5वीं बार मुझे चुनकर विधानसभा पहुंचाया है जिसमें हर बार जीत का आंकड़ा बढ़ता ही गया है। यह जीत हर बार मुझे लोगो की सेवा करने के लिए प्रेरित करती रहती है।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में प्रदेश के मंदिरों में परिवर्तन देखने को मिलेंगे। जिसके लिए रोडमैप तैयार किया जा रहा है। मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रोपवे, एस्केलेटर, लिफ्टए मंदिर भवन इत्यादि का निर्माण किया जायेगा ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि बसों के माध्यम से मंदिरों के लिए सर्किट तैयार किया जायेगा ताकि लोगो को मंदिरों के दर्शन करने आसानी हो सके। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त प्रदेश सरकार ने जो लोगो को वादे एवं गारंटीयां दी है उन्हें चरणबद्ध तरीके से पूर्ण किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में जानवरों से फसलों को बचाने के लिए खेतों की बाड़बंदी की जाएंगी साथ ही हर खेत तक पानी पहुंचना सरकार की प्राथमिकता रहेंगी ताकि किसानों की आय में भी वृद्धि हो सके।

इस मौके पर गुरुद्वारे में सेवा करने वाले स्थानीय लोगों को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य नरेश कुमारीए पंचायत प्रधान नंद किशोरए समिति प्रधान सुभाष बग्गा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

कैम्पा के अन्तर्गत प्रदेश के बंजर वन क्षेत्रों के वनीकरण के लिए नई पहल करेगा हिमाचल

प्रत्येक वन मंडल में विकसित की जाएगी मॉडल नर्सरी कर्मचारियों को किया जाएगा प्रशिक्षित

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार देर सायं हिप्पा में हिमाचल प्रदेश राज्य प्रतिपूरक वनीकरण कोष प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण कैम्पा की शासी निकाय की पहली बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि वर्ष 2023-24 में हिमाचल प्रदेश कैम्पा के अन्तर्गत प्रदेश के बंजर वन क्षेत्रों के वनीकरण के लिए नई पहल की जाएगी।

उन्होंने कहा कि छोटे क्षेत्रों के पौधरोपण के बजाय बंजर पहाड़ियों के वनीकरण के लिए बड़े क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से पौधरोपण किया जाएगा। जलवायु परिस्थितियों के अनुसार पौधे रोपित किए जाएंगे और इस कार्य के लिए समर्पित कर्मचारियों को नियुक्त किया जाएगा जो जिम्मेदार और जवाबदेह तरीके से इनके संरक्षण का कार्य करेंगे। प्रदेश सरकार की व्यवस्था परिवर्तन की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि हरित राज्य के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बंजर वन भूमि के वनीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी 12 जिलों में 256 हैक्टेयर से अधिक बंजर वन भूमि क्षेत्र को चिन्हित किया गया है तथा 5 वर्षों के दौरान यहां रोपित पौधों का उचित रखरखाव भी सुनिश्चित किया जाएगा।

इस कार्य के लिए 8.83 करोड़ रुपये की राशि प्रस्तावित की गई है। इस अभियान में क्षेत्र के स्थानीय प्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि इसे जन अभियान बनाया जा सके। उन्होंने पौधरोपण के उपरांत इसकी समुचित निगरानी करने तथा संबंधित उपमंडलाधिकारियों को निगरानी प्रक्रिया में सम्मिलित करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023-24 में प्रदेश के प्रत्येक वन मंडल में एक मॉडल नर्सरी विकसित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इन सभी 45 नर्सरियों में केंचुआ खाद इकाईए पॉलीहाउसए ग्रीनहाउसए स्प्रिंकलरए रूट ट्रेनर्स और टिशू कल्चर लैब इत्यादि की सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे नर्सरी की अधोसंरचना को सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी। नर्सरी तैयार करने वाले कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा और यह देशभर में किए जा रहे नवीन कार्यों को साझा करने के लिए उत्कृष्ट केन्द्र साबित होंगे। यह मॉडल नर्सरी प्रदेश की वन्य संपदा के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए विस्तार केन्द्रों के रूप में भी कार्य करेंगी।

मुख्य संसदीय सचिव सुंदर सिंह ठाकुर ने भी इस अवसर पर अपने बहुमूल्य सुझाव दिए।

प्रधान सचिवए वन एवं शासी निकाय के सदस्य सचिव ओंकार चंद शर्मा ने बैठक की कार्यवाही का संचालन किया और प्रधान मुख्य अरण्यपाल विनोद कुमार तिवारी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

आज और कल बारिश और बर्फबारी के आसार

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कई क्षेत्रों में बर्फबारी का पूर्वानुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक प्रदेश के उच्च पर्वतीय जिलों किन्नौर और लाहौल स्पीति सहित चंबा, कुल्लू, मंडी और शिमला के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में 29 और 30 दिसंबर को बर्फबारी की संभावना है। प्रदेश के अन्य जिलों में इस दौरान बारिश के आसार हैं। 31 दिसंबर से 3 जनवरी तक प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में मौसम शुष्क बना रहने के आसार हैं। बुधवार को राजधानी शिमला सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों में मौसम साफ रहा। धूप खिलने से अधिकतम तापमान में मंगलवार के मुकाबले 1 से 2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज हुई। ऊंचे इलाकों की ओर न जाएं सैलानी क्रिसमस के बाद कुल्लू-मनाली और लाहौल के सिस्सू और कोकसर में नए साल के जश्न के लिए काफी संख्या में सैलानी पहुंच रहे हैं। आज और कल बारिश और बर्फबारी की संभावना के चलते जिला कुल्लू के साथ लाहौल-स्पीति प्रशासन ने सैर सपाटे के लिए पहुंच रहे पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए अलर्ट जारी किया है।

उन्होंने ग्राम पंचायत प्रधानों, गैर सरकारी संगठनों, ट्रैकरों और पैदल चलने वालों से आग्रह किया है कि वह मौसम की स्थिति को ध्यान में रखकर ही यात्रा करें। मौसम और सड़क या किसी प्राकृतिक आपदा और घटना की स्थिति में जिला आपदा नियंत्रण कक्ष से 94594-61355, 01900-202509, 510, 517 और टोल फ्री 1077 पर संपर्क कर सकते हैं। वहीं, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुल्लू गुरदेव शर्मा ने कहा कि घाटी में आने वाले सैलानी अटल टनल रोहतांग के साथ जलोड़ी दर्रा आदि ऊंचे इलाकों की ओर न जाएं। खासकर पर्यटकों को अटल टनल रोहतांग, हामटा पास और जलोड़ी दर्रे का रुख न करने की हिदायत दी है। हिमाचल परिवहन निगम ने भी बस चालकों को खराब मौसम तथा तापमान गिरने से जम रही सड़कों पर किसी तरह का जोखिम न उठाने का आग्रह किया है। उपायुक्त लाहौल-स्पीति सुमित खिमटा ने कहा कि अगले दो दिन में सैलानी किसी भी प्रकार के जोखिम से बचने के लिए अधिक ऊंचाई, कम तापमान वाले क्षेत्रों में अनावश्यक यात्रा करने से बचें। स्कूलों और कॉलेजों में कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश प्रदेश सरकार ने सभी स्कूलों और कॉलेजों में कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश जारी किए हैं। बुधवार को उच्च शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी निर्देशों में कहा गया है कि विद्यार्थियों को फेस मास्क पहनने के लिए कहा जाए। खांसी, जुकाम और बुखार की शिकायत वाले विद्यार्थियों को कोविड टेस्ट कराने की सलाह भी दी है। शिक्षण संस्थानों में कोविड से बचाव के नियमों के प्रति जागरूक करने को भी कहा गया है। उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. अमरजीत कुमार शर्मा ने जिला उप निदेशकों को जारी पत्र में सभी आवश्यक एहतियात बरतने को कहा है।

हिमाचल कांग्रेस केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ खोलेगी मोर्चा

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

शिमला। हिमाचल कांग्रेस केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलेगी। कांग्रेस हाथ से हाथ जोड़ो अभियान 26 जनवरी से आरंभ करेगी और यह प्रदेश भर में एक माह तक चलेगा। पार्टी केंद्र सरकार की विफलता को लेकर लोगों तक संदेश पहुंचाएगी। प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी संजय दत्त ने बताया कि अभियान जिला मंडी के जोगिंद्रनगर से 26 जनवरी को आरंभ किया जाएगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के भारत जोड़ो यात्रा की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए यह अभियान प्रदेश के निचले स्तर तक चलाया जाएगा

दूसरी ओर, हिमाचल कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने कहा कि अभियान प्रदेश स्तर से लेकर जिला और बूथ स्तर पर चलाया जाएगा। इस अभियान से लोगों को केंद्र की मोदी सरकार की अभी तक की विफलता को भी उजागर किया जाएगा।

प्रदेश में 30 जनवरी को महात्मा गांधी की तस्वीर के सामने तिरंगा लहराएगी कांग्रेस

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का कन्याकुमारी से जम्मू कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा के समापन पर हिमाचल में 30 जनवरी को महात्मा गांधी की तस्वीर के सामने पार्टी दफ्तरों में तिरंगा लहराया जाएगा। इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस, जिला कांग्रेस और ब्लाक कांग्रेस कमेटी को लिखित फरमान भी हाईकमान ने जारी किए हैं।

अखिल भारतीय कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पत्र जारी कर लिखा है कि पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 30 जनवरी की सुबह 10 बजे जम्मू कश्मीर कांग्रेस कार्यालय में तिरंगा लहराएंगे। यह यात्रा गत 7 सितंबर को कन्याकुमारी से आरंभ की थी। इस दौरान भारत जोड़ो यात्रा 3970 किलोमीटर की रही 12 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों को कवर किया गया है।

केंद्रीय बजट में आम आदमी के हित में कुछ नहीं सुक्खू

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

शिमला। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए पेश किए गए केंद्रीय बजट को हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने निराशाजनक करार दिया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि इस बजट को केवल रस्म अदायगी के लिए पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में न तो आम आदमी की नजर आ रहा है और न ही हिमाचल प्रदेश राज्य के लिए। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल के साथ दिल्ली और पंजाब जैसे कई राज्य कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं। ऐसे में केंद्र सरकार को इन राज्यों के बारे में विचार करना चाहिए थाण् उन्होंने कहा कि सरकार को कर्ज के बोझ तले इन राज्यों के लिए एक विशेष पैकेज घोषित करना चाहिए थाए लेकिन बजट में ऐसा कुछ नजर नहीं आया।

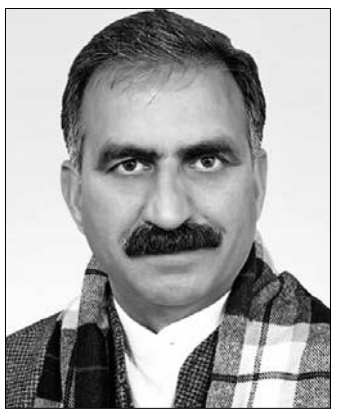

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि पूर्व बीजेपी सरकार के दौरान भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से हिमाचल प्रदेश के मुद्दों को लेकर बात कही गई थीए लेकिन इस बजट में हिमाचल प्रदेश के लिए कुछ भी नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि उन्होंने खुद भी मुख्यमंत्री बनने के बाद हिमाचल प्रदेश की मुद्दों को केंद्र के सामने रखा। बावजूद इसके हिमाचल प्रदेश का बजट में कुछ उन्होंने केंद्रीय बजट को पूरी तरह निराशाजनक करार दिया।

सुक्खू ने पशुपालन विभाग को दिए कड़े निर्देश

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

शिमला। वर्तमान प्रदेश सरकार ने राज्य में वंचित वर्गों के कल्याण को सर्वोच्च अधिमान दिया है। इसके साथ.साथ सरकार बेसहारा पशुओं के कल्याण के लिए भी बहुआयामी कदम उठा रही है। शुक्रवार सायं शिमला में गौ सेवा आयोग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पशुपालन विभाग को बेसहारा पशुओं आश्रय प्रदान करने के लिए समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सेवा संकल्प हेल्प लाइन.1100 के माध्यम से लोग बेसहारा पशुओं से सम्बन्धित जानकारी व शिकायत कर सकेंगे। उन्होंने अधिकारियों को इस सम्बंध में एक मोबाइल एप्लीकेशन भी विकसित करने के निर्देश दिए जिसमें कि बेसहारा पशुओं के छायाचित्र अपलोड किए जा सकें। उपनिदेशक उन्होंने कहा कि लोगों से शिकायत प्राप्त होने के उपरांत यह सूचना सम्बन्धित खण्ड के वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी एवं फार्मासिस्ट से साझा की जाएगी और यह उनकी जिम्मेदारी होगी कि बेसहारा पशु को गौ सदन या अन्य उपयुक्त स्थल में पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि बेसहारा पशुओं की समस्या के समाधान के लिए इस हेल्पलाइन के बारे में लोगों को अधिक से अधिक जागरूक किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 20वीं पशु गणना के अनुसार राज्य में 36,311 बेसहारा पशु हैंए जिनमें से 20,203 बेसहारा पशुओं को विभिन्न गौ सदनों में आश्रय प्रदान किया गया है और अभी भी 9ए117 बेसहारा पशु सड़कों पर घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन पशुओं को बेहतर आश्रय सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से मौजूदा गौशालाओं के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है, जिसके लिए पशुपालन विभाग के अधिकारी वन विभाग की सहायता से चरागाह और जल स्त्रोतों के लिए उपयुक्त भूमि चिन्हित करें।

इन 200 कंपनियों का विकास जगा रहा है बेहतर जलवायु की आस

शिमला। कॉर्पोरेट सोशल रिस्पोन्सिबिलिटी के क्षेत्र की कंपनी एज़ यू सो और कॉर्पोरेट नाइट्स नाम की मीडिया और रिसर्च कंपनी ने आज कार्बन क्लीन 200 नाम की एक सूची का 10वां अपडेट जारी किया है।

यह वैश्विक सूची सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली उन 200 कंपनियों की सूची है जो एक स्वच्छ ऊर्जा के भविष्य के लिए प्रयासरत हैं और आगे बढ़ रही है।

ऐज़ यू सो के सीईओ और रिपोर्ट के सह.लेखक एंड्रयू बेहार ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि साल 2016 में जब निवेशक समुदाय ने हमें कहा कि श्अगर हम जीवाश्म ईंधन से निवेश हटाते हैं, तो फिर निवेश करने के लिए कुछ भी नहीं है। इसके जवाब में हमें क्लीन 200 बनाया। और आज, क्लीन 200 ने दिखा दिया है कि सात साल पहले जिसे हम स्वच्छ ऊर्जा भविष्य कहते थे, वह अब स्वच्छ ऊर्जा का आज है।

राजस्व के हिसाब से इस सूची में शीर्ष 10 कंपनियों में शामिल हैए एप्पल जो सस्टेनेबिलिटी के लिए प्रमाणित फोन और लैपटॉप बनाती है, साथ ही हैं अल्फ्राबेट, डॉयचे टेलीकॉम एजी और वेराईज़न कम्युनिकेशंस इंकॉर्पोरेटेड, और टेस्ला। क्लीन 200 सूची में पैंतीस देशों का प्रतिनिधित्व है।

'पीपीपी पावर परचेस पैरिटी पावर क्रय समानता या अंतर्राष्ट्रीय डॉलर उस दर पर आधारित है जिस पर एक देश की मुद्रा दूसरे देश की मुद्रा में प्रत्येक देश में समान मात्रा में सामान और सेवाएं खरीदने के लिए परिवर्तित की जाती है।

आगेएकॉर्पोरेट नाइट्स के सीईओ और रिपोर्ट के सह लेखक टोबी हीप्स कहते हैं, यह ध्यान देने योग्य है कि जीवाश्म ईंधन आधारित कंपनियों के वर्चस्व के बावजूद क्लीन 200 कंपनियों ने बेहतर प्रदर्शन किया और अपना 6 साल का ट्रैक रिकॉर्ड बनाए रखा है। क्लीन200 डाटाबेस का उपयोग करता है जो सस्टेनेबल अर्थव्यवस्था विषयों से अर्जित राजस्व कंपनियों के प्रतिशत को ट्रैक करता है। बेहार ने आगे कहा कि हम क्लीन 200नाम कि इस आर्थिक महाशक्ति के विकास को ट्रैक और साझा करना जारी रखेंगे। इन कंपनियों द्वारा प्रदर्शित नौकरी में वृद्धि और लचीलापन जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने और सभी के लिए एक सुरक्षित, न्यायसंगत और स्थायी दुनिया हासिल करने की हमारी सबसे बड़ी उम्मीद है।

भाजपा कांग्रेस सरकार को घेरने के लिए पूरी तरह से तैयारए विधानसभा बजट सत्र में दिखेगा असर

शिमला। 14 मार्च से शुरू होने वाला प्रदेश विधान सभा का बजट सत्र इस बार काफी हंगामेदार रहने वाला है। विपक्षी भाजपा ने सरकार को घेरने के लिए पूरी रणनीति तैयार कर ली है । नेता विपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा है कि विधानसभा के बजट सत्र में जनता से जुड़े हुए मुद्दों को उठाया जाएगा। सरकार के खिलाफ2 महीने में ही बेहद मुद्दे सामने आ चुके हैं जिसको लेकर विपक्ष सदन के अंदर सरकार से जवाब मांगेगी।

जयराम ठाकुर ने कहा कि आगामी बजट सत्र में विपक्ष प्रदेश में सरकार द्वारा डिनोटिफाई किए गए कार्यालयोंए प्रदेश में लगातार बिगड़ती जा रही कानून व्यवस्था और नशे के बढ़ते कारोबार और जंगल में फेंके गए क्विंटल के हिसाब से राशन को लेकर सदन के भीतर सवाल पूछेगी जिसका सरकार को जवाब देना होगा। क्योंकि सत्ता में आने से पहले कांग्रेस ने बड़े.बड़े दावे किए थे, जिन्हें धरातल पर उतारने के लिए कांग्रेस की सरकार काम नहीं कर रही है। ऐसे में विपक्ष जनता के मुद्दों को सदन में उठाने का प्रयास करेगा।

इस बार ऑर्गेनिक रंगों से खेलें होली : शहनाज़ हुसैन

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

शिमला। होली पर मस्ती तो करना चाहते हैं लेकिन रंगों के होने वाले नुकसान से बचते हैं। होली का त्यौहार रंगों के बिना अधूरा माना जाता है। होली में इस्तेमाल किए जाने वाले ज्यादातर रंग कैमिकल युक्त होते हैं जिनसे त्वचा और बालों को नुकसान हो सकता है। इन रासायनिक रंगों के प्रयोग से त्वचा पर रैशेज़ए एलर्जीए मुहांसे हो सकते हैं तथा अनेक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी खड़ी हो सकती हैं। रासायनिक रंगों से बचने के लिए आप घर पर प्रकृतिक रंग बना सकती हैं।

1 गुलाल- होली में गुलाल का अपना ही महत्व है। ऑर्गेनिक गुलाल बनाने के लिए 100 ग्राम हल्दी पाउडर, 200 ग्राम अरारोट पाउडर, 50 ग्राम गेंदा फूल और 20 ग्राम संतरे के छिलकों का पाउडर मिलाकर मिश्रण बना लें। इस मिश्रण में 20 ग्राम नींबू या चंदन का तेल मिला लीजिए तथा इस मिश्रण को आहिस्ता .2 मिलाइये और आपका गुलाल तैयार हो गया है।

गुलाल बनाने के लिए ताजा फूलों को इकट्ठा करें ध् अगर आपके आसपास ज्यादा फूल नहीं हों तो आप ऑनलाइन फूल भी मँगबा सकते हैं ध् इन फूलों को सूखने दें और सुखे हुए फूलों को मसल कर इनका पाउडर बना लें ध् इस पाउडर में कुछ बूंदें चन्दन के तेल के डाल लें तथा इसे अब हाथ से मिश्रण बना लें तथा ठन्डे स्थान पर रख लें। इसे होली के दिन आप गुलाल के रूप में प्रयोग कर सकते हैं ध्अगर आप पिचकारी से होली खेलने के लिए प्रकृतिक गिला रंग तैयार करना चाहते हैं तो इसके लिए आप ताजा फूलों की पंखुड़ियों को पानी की बाल्टी में रात भर भिगो लें। इसमें खुसबू डालने के लिए आप इसमें सुगंथित तेल मिला लें। इसे आप गुबारों और पिचकारी में भर कर सेफ होली खेल सकते हैं

लाल रंग लाल रंग लाल गुलाब, हिबिस्कस की पंखुड़ियों को उबाल कर तैयार किया जा सकता है। लाल रंग बनाने के लिए हिबिस्कस फूल को सुखाकर पंखुड़ियों को पीस कर इसका पाउडर बना लें। इस पाउडर में समान मात्रा में चावल का आटा और लाल केसर मिला सकते हैं।

लाल रंग बनाने के लिए अनार के छिलकों को पानी में उबाल लें इससे आप को लाल रंग मिलेगा। इसके अलावा आप लाल चंदन पाउडर को सूखे रंग और गीले रंग के तौर पर उपयोग कर सकते हैं। कुछ चंदन की थ्रेड्स को थोड़े से पानी में भिगो कर पीस लें। इस मिश्रण को होली रंग के तौर पर प्रयोग किया जा सकता है । आप इसमें पानी मिलाकर इसे पिचकारी में भी प्रयोग कर सकते हैं ।

हरा रंग हरा रंग। हरा रंग बनाने के लिए आप मेहंदी, गुलमोहर की सुखी पत्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। मेहंदी से सिरदर्द दूर होता हैए शरीर को डिटाक्स करती है तथा त्वचा और बालों के लिए काफी फायदेमंद साबित होती है।

पालक साग जैसी हरी पत्तियों वाली सब्जियों या नीम की पत्तियों को पानी में डूबोकर हरा रंग बनाया जा सकता है। हरा रंग बनाने के लिए मेहँदी पाउडर को चावल के आटे या मैदे के साथ मिलाऐं। नीम की पतियों से बने हरे रंग के प्रयोग से आपकी त्वचा प्रकृतिक रूप में निखर जाएगी

मैजेंटा। मैजेंटा रंग बनाने के लिए चुकन्दर एक बेहतर विकल्प है। आप चुकंदर के टुकड़ेध्फांक को पानी में भिगोकर इसे उबाल लें तथा इसे रात भर रहने दें। आप लाल प्याज का उपयोग भी कर सकते हैं। सुबह पानी को छानकर इसे ठंडा होने दें तथा आप इसका उपयोग कर सकते हैं।

गुलाबी रंग होली में हल्का गुलाबी रंग काफी मात्रा में उपयोग किया जाता है। गुलाबी रंग बनाने के लिए आप गुलाबए नयनतारा, गोधूली गोपाल का उपयोग कर सकते हैं। चुकन्दर के टुकड़े स्लाइसेस या प्याज के छिलकों को पानी में उबाल कर भी गुलाबी रंग बनाया जा सकता है।

पीला रंग पीला रंग बनाने के लिए गैंदे के फूल की पंखुड़ियों को उबाल कर ठंडा होने दें तथा आप इसका प्रयोग कर सकते हैं। पानी में हल्दी डालकर गीला पीला रंग तैयार किया जा सकता है। दो चमच्च हल्दी पाउडर में एक चमच्च चना या चावल का आटा मिलाकर प्रकृतिक पीला रंग बनाया जा सकता है।

पर्यटकों के लिए अलर्ट जारी

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कई क्षेत्रों में वीरवार और शुक्रवार को बारिश और बर्फबारी का पूर्वानुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक प्रदेश के उच्च पर्वतीय जिलों किन्नौर और लाहौल स्पीति सहित चंबा, कुल्लू, मंडी और शिमला के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना है। प्रदेश के अन्य जिलों में इस दौरान बारिश के आसार हैं। धूप खिलने से अधिकतम तापमान में मंगलवार के मुकाबले 1 से 2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज हुई। ऊंचे इलाकों की ओर न जाएं सैलानी क्रिसमस के बाद कुल्लू-मनाली और लाहौल के सिस्सू और कोकसर में नए साल के जश्न के लिए काफी संख्या में सैलानी पहुंच रहे हैं। आज और कल बारिश और बर्फबारी की संभावना के चलते जिला कुल्लू के साथ लाहौल-स्पीति प्रशासन ने सैर सपाटे के लिए पहुंच रहे पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए अलर्ट जारी किया है। खासकर पर्यटकों को अटल टनल रोहतांग, हामटा पास और जलोड़ी दर्रे का रुख न करने की हिदायत दी है। हिमाचल परिवहन निगम ने भी बस चालकों को खराब मौसम तथा तापमान गिरने से जम रही सड़कों पर किसी तरह का जोखिम न उठाने का आग्रह किया है। उपायुक्त लाहौल-स्पीति सुमित खिमटा ने कहा कि अगले दो दिन में सैलानी किसी भी प्रकार के जोखिम से बचने के लिए अधिक ऊंचाई, कम तापमान वाले क्षेत्रों में अनावश्यक यात्रा करने से बचें। उन्होंने ग्राम पंचायत प्रधानों, गैर सरकारी संगठनों, ट्रैकरों और पैदल चलने वालों से आग्रह किया है कि वह मौसम की स्थिति को ध्यान में रखकर ही यात्रा करें। मौसम और सड़क या किसी प्राकृतिक आपदा और घटना की स्थिति में जिला आपदा नियंत्रण कक्ष से 94594-61355, 01900-202509, 510, 517 और टोल फ्री 1077 पर संपर्क कर सकते हैं। वहीं, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुल्लू गुरदेव शर्मा ने कहा कि घाटी में आने वाले सैलानी अटल टनल रोहतांग के साथ जलोड़ी दर्रा आदि ऊंचे इलाकों की ओर न जाएं। स्कूलों और कॉलेजों में कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश प्रदेश सरकार ने सभी स्कूलों और कॉलेजों में कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश जारी किए हैं। बुधवार को उच्च शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी निर्देशों में कहा गया है कि विद्यार्थियों को फेस मास्क पहनने के लिए कहा जाए। खांसी, जुकाम और बुखार की शिकायत वाले विद्यार्थियों को कोविड टेस्ट कराने की सलाह भी दी है। शिक्षण संस्थानों में कोविड से बचाव के नियमों के प्रति जागरूक करने को भी कहा गया है। उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. अमरजीत कुमार शर्मा ने जिला उप निदेशकों को जारी पत्र में सभी आवश्यक एहतियात बरतने को कहा है।

हिमाचल को मिला देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य पुरस्कार और जीएसपी गोल्ड पार्टनर अवार्ड

पर्यावरण परिषद की ओर से प्रदेश के 100 इको क्लब विद्यालयों में लागू की गई प्लास्टिक अपशिष्ट क्रय योजना

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

शिमला। विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र, नई दिल्ली द्वारा हिमाचल प्रदेश को ग्रीन स्कूल प्रोग्राम जीएसपी के अंतर्गत देश के सर्वश्रेष्ठ राज्य पुरस्कार तथा जीएसपी गोल्ड पार्टनर अवार्ड के लिए चुना गया है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के गतिशील नेतृत्व में प्रदेश ने यह उपलब्धि हासिल की है। कार्यक्रम प्रभारी एवं सदस्य सचिव, हिमकोस्टे, ललित जैन, 21 फरवरी को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में राज्य से उच्चतम जीएसपी लेखा परीक्षण प्रस्तुतीकरण के लिए यह प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ राज्य पुरस्कार और जीएसपी गोल्ड पार्टनर अवार्ड प्राप्त करेंगे। प्रदेश के सोलन जिला को बेस्ट जिला का पुरस्कार तथा चंबा की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हिमगिरी को लैंड सैक्शन अवार्ड के लिए चुना गया है। प्रदेश के दो शिक्षकों को जीएसपी एंबेसडर पुरस्कार के लिए भी चुना गया है।

मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण के प्रति छात्रों को शिक्षित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसके लिए हिमाचल प्रदेश विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद् हिमकोस्टे को नोडल एजेंसी बनाया गया है। परिषद् द्वारा नेशनल ग्रीन कॉर्पस एनजीसी कार्यक्रम के तहत प्रदेश के 3000 विद्यालयों तथा 100 महाविद्यालयों में इको.क्लब स्थापित किए गए हैं। इको.क्लब कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति चेतना जागृत करना है। वृहद शैक्षणिक दृष्टिकोण एवं अनुभवों के माध्यम से विद्यार्थियों में विषय की गहन समझ विकसित की जा रही है। परिषद् द्वारा राज्य में पर्यावरणीय गतिविधियों को मज़बूत करने के लिए इन इको.क्लब को अभिनव पर्यावरणीय परियोजनाएं भी प्रदान की जा रही हैं। विद्यालयों में इको.क्लब द्वारा वर्षा जल संचयन छत के ऊपरध्पक्के क्षेत्र, विद्यालय परिसर में जड़ी.बूड़ी आधारित उद्यानों का विकासए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कचरे से धन की अवधारणा, स्कूल परिसर के सौंदर्यीकरण तथा विज्ञान एवं पर्यावरण आदर्श प्रदर्शन प्रयोगशालाओं की स्थापना जैसी विभिन्न गतिविधियां करवाई जा रही हैं।

हिमाचल प्रदेश विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद द्वारा प्रदेश के 100 इको क्लब विद्यालयों में प्लास्टिक अपशिष्ट क्रय योजना भी लागू की गई है। परिषद राज्य के इको.क्लब विद्यालयों के माध्यम से ग्रीन हिमाचल स्वच्छ हिमाचल की अवधारणा के साथ एक पेड़ मेरे स्कूल के नाम विषय पर प्रति वर्ष वृक्षारोपण अभियान भी चला रहा है। इस अभियान के माध्यम से वृहद स्तर पर पौधरोपण किया जाएगा और वर्तमान वित्त वर्ष में विभिन्न प्रजातियों के 26,106 पौधे रोपित करने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें औषधीय पौधे, पुष्प, ईंधन और पशुचारे से संबंधित पौधे रोपित किए गए हैं।

इसके अलावा परिषद् द्वारा राज्य के इको.क्लब विद्यालयों में रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण की अवधारणा का भी प्रचार किया जा रहा है। रूफ टॉप सौर ऊर्जा पावर प्लांट स्थापित करने के लिए 20 स्कूलों की पहचान की गई है।

प्रदेश सरकार अनाथ बच्चों को उच्च शिक्षा देने और घर निर्मित करने के लिए देगी चार विस्वा जमीन

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रदेश की बागडोर संभालने के साथ ही यह स्पष्ट कर दिया था कि पूरा प्रदेश एक कुटुंब के समान है और हिमाचल को देश का विकसित राज्य बनाने के ध्येय को हासिल करने के लिए प्रदेश सरकार कटिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने अपने निर्णयों से यह साबित किया है कि सुख की सरकार निराश्रित महिलाओंए बच्चों और समाज के कमजोर वर्गों की माता.पिता है। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू सत्तासीन होने के पहले दिन से ही समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान की दिशा में कार्य कर रहे हैं। अनाथ बच्चों की देख.भाल के लिए आयु को बढ़ाकर 27 वर्ष करने का निर्णय भी इस दिशा में किया गया सार्थक प्रयास है।

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अनाथ बच्चों को घर निर्मित करने के लिए चार विस्वा भूमि प्रदान करने का भी निर्णय लिया है। प्रदेश सरकार उनकी उच्च शिक्षा का व्यय भी वहन करेगी। सरकार के यह निर्णय जरूरतमंद और कमजोर लोगों को सहारा प्रदान करने में दूरगामी भूमिका निभाएंगे।

कार्बन उत्सर्जन में कमी लाकर प्रदेश को पहला प्रदूषण रहित राज्य बनाएगी कांग्रेस सरकार

शिमला। प्रदेश सरकार हिमाचल प्रदेश को वर्ष 2025 तक हरित ऊर्जा राज्य बनाने के लिए दृढ़ता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विश्व बैंक की टीम के साथ प्रदेश के ग्रीन एजेंडा और विश्व बैंक के सहयोग के साथ इस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में किए जाने वाले उपायों पर विस्तृत चर्चा की है।

प्रदेश सरकार कार्बन उत्सर्जन में कमी लाकर प्रदेश को पहला प्रदूषण रहित राज्य बनाने के लिए प्रयासरत है। यह मुख्यमंत्री के प्रयासों से ही संभव हो पाया है कि वर्ल्ड बैंक ने ग्रीन रेसिलिएन्ट इंटिग्रेटिड डवल्पमेंट में रुचि दिखाई है। इसकी अनुमानित लागत 2500 करोड़ रुपये है तथा यह राशि तकनीकी समीक्षा के आधार पर बढ़ाई भी जा सकती है।

प्रदेश सरकार का यह निर्णय राज्य को ग्रीन रेसिलिएन्ट प्रदेश के रूप में स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगा। प्रदेश सरकार ने आगामी नौ महीनों में प्रदेश में 200 मेगावाट क्षमता की सोलर पावर परियोजनाओं को स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है और वर्ष 2024 के अंत तक 500 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रदेश में भूमि अधिग्रहण कर लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने यह स्पष्ट किया है कि प्रदेश सरकार राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन की तर्ज पर प्रदेश में वृहद् स्तर पर उत्पादन से लेकर उपयोग तक कार्यप्रणाली पर कार्य करने के लिए प्रयासरत है।

शूलिनी विवि ने वेंडा विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

सोलन। शूलिनी विश्वविद्यालय ने दक्षिण अफ्रीका की वेंडा विश्वविद्यालय के साथ छात्र विनिमय कार्यक्रमों के लिए एक समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह समझौता छात्रों को एक्सचेंज प्रोग्रामए समर इंटर्नशिप के तहत अध्ययन करने और उच्च अध्ययन के अवसरों का पीछा करने का अवसर प्रदान करेगा। संकाय भी विनिमय कार्यक्रमों और संयुक्त अनुसंधान की सुविधाओं का लाभ उठाने में सक्षम होंगे।

एमओयू पर शूलिनी विश्वविद्यालय के चांसलर पीण्केण् खोसला और दक्षिण अफ्रीका के वेंडा विश्वविद्यालय के वाइस.चांसलर डॉण् नंदलेनी बीण्नथानबेलेनी ने हस्ताक्षर किए। वेन्दा विश्वविद्यालय एक व्यापक ग्रामीण.आधारित संस्थान है, जो लिम्पोपो प्रांत में थोहोयंडौ में स्थित है। यह 1982 में वेंडा सरकार के गणराज्य के तहत स्थापित किया गया था।

वेंडा विश्वविद्यालय के पांच सदस्यों की एक टीम ने जनवरी में नौ दिनों के लिए शूलिनी विश्वविद्यालय का दौरा किया और सहयोग की सभी संभावनाओं का पता लगाया। शूलिनी विश्वविद्यालय जल्द ही योग केंद्र स्थापित करने के लिए वेंडा विश्वविद्यालय में एक योग प्रशिक्षक भेजेगा। शूलिनी विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशक प्रो. आर.पी. द्विवेदी ने कहा कि दोनों विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों ने उद्यमशीलता और वित्तीय अपराध के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान करने पर सहमति व्यक्त की हैए और निकट भविष्य में कई और सहयोग की संभावना है।

प्रदेश से नशे को रोकने के लिए हिमाचल प्रदेश पुलिस चला रही अभियान

अभियान का मुख्य उद्देश्य होगा हेरोइनद्व चिट्टा की ओर आकर्षित होने वाले युवाओं को खोजना

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश पुलिस एक अभियान का आयोजन करने जा रही है जिसका उद्देश्य हिमाचल प्रदेश से नशीले पदार्थों और नशीले पदार्थों के उन्मूलन के लिए रणनीति के विकास के लिए राज्य के युवाओं को शामिल करना है। यह अभियान मुख्य रूप से मादक पदार्थों की तस्करीए नशीली दवाओं के दुरुपयोग की बढ़ती समस्या और विशेष रूप से सिंथेटिक दवाओं जैसे हेरोइन, चिट्टा आदि की ओर आकर्षित होने वाले युवाओं की बढ़ती संख्या के कुशल और आधुनिक समाधान खोजने पर केंद्रित होगा।

घटनायोजन में राज्य के प्रमुख कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों की भागीदारी शामिल होगी। आईआईटी मंडी, आईआईएम सिरमौर, शूलिनी यूनिवर्सिटी, चितकारा यूनिवर्सिटी, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीए गवर्नमेंट। डिग्री कॉलेज, संजौली, आरकेएमवी कॉलेज, कोटशेरा कॉलेजए सेंट बेड्स कॉलेज, एचपीयू समाजशास्त्र, मनोविज्ञान और कानून विभाग।

नशे के खात्मे की लड़ाई में राज्य के युवाओं और पुलिस के इस सहयोग की शुरुआत 25 फरवरी 2023 को पुलिस मुख्यालय में विचार मंथन के साथ होगी। माननीय शिक्षा मंत्री इस मौके पर मुख्य अतिथि रोहित ठाकुर होंगे। घटना के अपडेट हिमाचल प्रदेश पुलिस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगे और पूरे कार्यक्रम को आधिकारिक फेसबुक पेज पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। समाज के प्रतिष्ठित सदस्यों वाली एक जूरी विचार-मंथन सत्र का संचालन करेगी।

इस घटना के बादए क्रमशः 10 मई 2023 और 24 मई 2023 को जिला स्तर और रेंज स्तर के कार्यक्रम की योजना बनाई गई है। कार्यक्रम का ग्रैंड फिनाले 26 जून 2023 को शिमला में श्मादक पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवसश् के अवसर पर निर्धारित किया गया है। उम्मीद है कि इस राज्यव्यापी आयोजन से पुलिस और युवाओं को जमीनी स्तर की समस्याओं की पहचान करने में मदद मिलेगी।

शूलिनी विवि ने किया इंजीनियरिंग में रिमोट सेंसिंग पर एफ्डीपी का आयोजन

सोलन। शूलिनी विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय ने इंजीनियरिंग में भौगोलिक सूचना प्रणाली और रिमोट सेंसिंग के अनुप्रयोग पर तीन सप्ताह तक चलने वाले फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया।

एफडीपी का उद्देश्य इंजीनियरिंग में नए शुरू किए गए स्नातक कार्यक्रम यानी बीटेक में शुरू किए गए भू.सूचना विज्ञान पाठ्यक्रमों के लिए संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित करना था। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जियोइन्फॉर्मेटिक्स में विशेषज्ञता के साथ सिविल इंजीनियरिंग। विशिष्ट विशेषताओं वाला यह पाठ्यक्रम अपनी तरह का अनूठा है और यह उद्योग.उन्मुख है, जो बदलते हाई.टेक परिदृश्य की जरूरतों को पूरा करता है।

गरुडालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड से रितम चक्रवर्ती द्वारा डिलीवर किया गया । गरुडालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद स्थित संगठन है जो उद्योग.सिद्ध विज्ञान और डिजिटल तकनीकों जैसे भू.स्थानिक विज्ञानए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट ऑफ़थिंग्स और ब्लॉक श्रृंखला पर काम कर रहा है।

'आदर्श हिमाचल' अखबार के लिए मालिक, प्रकाशक व मुद्रक देविंद्र सिंह द्वारा सेट नं. 6, अप्पर कैयू, शिमला-3 से प्रकाशित और विज्ञापना इंटरप्राइजिज, दुर्गा काटेज, एसडीए काम्पलैक्स कुसुमपटी से मुद्रित। आदर्श हिमाचल से संबंधित सभी मामलों का निपटारा न्यायाकि क्षेत्र शिमला में होगा। फोन नंबर-9857537874, 9418694594, 8091152022।